Global Storybooks

globalstorybooks.net

गधा बच्चा

Lindiwe Matshikiza
Meghan Judge
Nandani

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

गधा बच्चा

Lindiwe Matshikiza
Meghan Judge
Nandani

3

हिन्दी hi

वह एक छोटी सी लड़की थी जिसने पहली बार कुछ दूरी पर अजीब से आकार का कुछ देखा।

जैसे ही वह पास आया, उसने देखा कि यह एक भारीभरकम गर्भवती महिला है।

छोटी लड़की शर्मीली, पर बहादुर थी, वह उस महिला के पास गई। “हमें इसे अपने साथ रखना चाहिए,” छोटी लड़की के साथ के लोगों ने फैसला किया। “हम इसे और इसके बच्चे को सुरक्षित रखेंगे।”

गधा बच्चा और उसकी माँ साथ मिलकर रहने लगे और साथ ही उन्होंने जीने के कई तरीके ढूँढ़ लिए। धीरे-धीरे, उनके चारों ओर, और भी परिवार रहने लगे।

गधे ने अपनी माँ को खोज लिया। वह अकेली थी और बच्चे के खो जाने से दुखी थी। उन्होंने एक दूसरे को बहुत देर तक देखा। और फिर ज़ोर से एक दूसरे को गले लगा लिया।

बच्चा जल्द ही आने वाला था। “ज़ोर लगाओ!” “कंबलों को लाओ!” “पानी लाओ!” “ज़ोर से!!!”

जब उन्होंने बच्चे को देखा, सभी लोग सदमे में चले गए। “गधा?!”

गधे को पता था कि उसे अब क्या करना है।

...बादल हट चुके थे और उसका दोस्त बूढ़ा आदमी भी वहाँ से गायब हो चुका था।

हर कोई बहस करने लगा। “हमने कहा था कि हम माँ और बच्चे को सुरक्षित रखेंगे, और यही हमने किया,” कुछ ने कहा। “पर ये हमारे लिए बुरी किस्मत लेकर आएँगे !” बाकियों ने कहा।

औरत ने फिर से अपने आपको अकेला पाया। वह परेशान थी कि वह अपने अनचाहे बच्चे के साथ क्या करे। वह परेशान थी कि वह अपने साथ क्या करे।

ऊँचाई पर जाकर बादलों के बीच में वे सो गए। गधे ने सपना देखा कि उसकी माँ बीमार है और उसे बुला रही है। और जब वह उठा...

एक सुबह, बूढ़े आदमी ने गधे से खुद को एक पहाड़ की चोटी पर ले चलने को कहा।

अंत में उसे मानना पड़ा कि वह उसका बच्चा है और वह उसकी माँ।

यदि बच्चा उसी आकार में रहता, छोटा ही, तो शायद चीज़ें अलग होतीं। पर गधा बच्चा इतना बड़ा हो गया कि माँ की पीठ पर नहीं आ पाता था। उसने बहुत कोशिश की लेकिन वह आदमियों की तरह व्यवहार नहीं कर पाया। उसकी माँ ने बहुत कोशिश की लेकिन उनके हाथ निराशा ही लगी। कभी-कभी वे उसे करने के लिए ऐसे काम देतीं जो जानवरों के लिए बने हैं।

गधा उस बूढ़े आदमी के साथ रहने चला गया, उसने उसे जीने के कई तरीके सिखाए। गधे ने बूढ़े आदमी की बातें सुनीं और उनसे सीखा। उन्होंने एक दूसरे की मदद की और अपने सुख-दुख मिलकर बाँटे।

गधा जब उठा तो उसने पाया कि एक अनजान बूढ़ा आदमी उसे घूर रहा है। उसने बूढ़े आदमी की आँखों में देखा जहाँ उसे उम्मीद की किरण नज़र आई।

गधे के अंदर दुविधा और गुस्से का भाव भर गया। वह यह नहीं कर सकता था और वह नहीं कर सकता था। वह इस तरह नहीं हो सकता था और उस तरह भी नहीं। इस बात से वह इतना नाराज़ हो गया कि एक दिन, उसने अपनी माँ को धक्का मार कर ज़मीन पर गिरा दिया।

अपने इस व्यवहार से गधा बहुत शर्मिंदा हो गया। वह वहाँ से जितनी दूर और जितनी तेज़ी से दौड़ सकता था दौड़ने लगा।

जब उसने दौड़ना बंद किया तब रात हो चुकी थी और वह खो गया था। “ढ़ेंचू-ढ़ेंचू?” उसने अंधेरे में आवाज़ की। “ढ़ेंचू-ढ़ेंचू?” उसकी आवाज़ वापस गूँजी। वह अकेला था। उसने अपने आपको सख्त गेंद की तरह सिकोड़ा, और दुखी होकर गहरी नींद में सो गया।